पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार

****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः श्रावण 28, 1944
शुक्रवारः 19 अगस्त 2022

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने मणिपुर में असम राइफल्स (दक्षिण) के महानिरीक्षक मुख्यालय में सैनिकों के साथ बातचीत की

साहस और दृढ़ विश्वास के साथ कर्तव्य निभाने और राज्य में सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए उनकी सराहना की

राष्ट्र पूर्ण क्षमता तभी प्राप्त कर सकता है जब इसकी सीमाएं सुरक्षित हों: रक्षा मंत्री ने बलों से राष्ट्रीय ध्वज ऊंचा रखने का आग्रह करते हुए कहा

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 19 अगस्त 2022 को मणिपुर के मंत्रीपुखरी में असम राइफल्स (दक्षिण) केमहानिरीक्षक मुख्यालय का दौरा किया तथा रेड शील्ड डिवीजन और असम राइफल्स के सैनिकों के साथ बातचीत की। उनके साथ सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल आरपीकलिता और स्पीयर कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी और सेना एवं असम राइफल्स के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। यात्रा के दौरान, रक्षा मंत्री को क्षेत्र में शांति एवं सौहार्दबनाए रखने के लिए भारत-म्यांमार सीमा पर भगावत रोधी और सीमा प्रबंधन अभियानों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्मिकों को संबोधित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने भूभाग और मौसम से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद साहस और दृढ़ निश्चय के साथ कर्तव्य निभाने और मणिपुर में सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए अधिकारियों और सैनिकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और असम राइफल्स के जवानों के बीच खड़ा होना बहुत गर्व की बात है।

रक्षा मंत्री ने रेड शील्ड डिवीजन की स्थापना के बाद से उसके योगदान की सराहना की, चाहे वह 1971 के युद्ध में हो, श्रीलंका में आईपीकेएफ के हिस्से के रूप में हो या इसकी वर्तमान भूमिका में हो। उन्होंने पिछले सात दशकों में असम राइफल्स की शानदार भूमिका और आंतरिक सुरक्षा, भारत-म्यांमार सीमा की सुरक्षा और पूर्वोत्तर को राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल करनेके लिए महत्वपूर्ण भूमिका में उनके अपार योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, 'इस कारण आपको 'फ्रेंड्स ऑफ द नॉर्थ ईस्ट पीपल' और 'सेंटिनल्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट' कहा जाता है।

श्री राजनाथ सिंह ने बलों से अटूट समर्पण के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को ऊंचा रखने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र तभी पूर्ण क्षमता प्राप्त कर सकता है जब इसकी सीमाएं सुरक्षित हों। रक्षा मंत्री के साथ बातचीत में रेड शील्ड डिवीजन और असम राइफल्स के 1,000 से अधिक सैनिकों ने हिस्सा लिया।

एबीबी/डीएस